बरेली, रविवार
15 अगस्त, 2023
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 22+6=28

दैनिक जागरण

PAGE NO : 08 MIDDLE

चंद्रयान और आदित्य एल वन मिशन से पूरी की 'अभिलाषा'

बरेली से पढ़ाई करके अंतरिक्ष विज्ञानी बनने का देखा था सपना

जागरण संवाददाता, बरेली : मन का विश्वास मजबूत हो तो सफलता में कोई अड़चन नहीं आती। अभिलाषा ने शुरू से ही अंतरिक्ष विज्ञान का सपना देखा। देश के लिए ऐसा कुछ करने की मन में ठानी। फिर इसरो में वैज्ञानिक बनकर अभिलाषा मिशन चंद्रयान तीन का हिस्सा बनीं। यही नहीं उन्होंने मिशन आदित्य एल वन में भी अपना योगदान देकर गौरवान्वित किया। अभिलाषा अभी भी इसरो के अन्य मिशन के लिए भी दिन रात मेहनत कर रही हैं।

अभिलाषा नार्थ सिटी निवासी आइवीआरआइ के पूर्व निदेशक डा एसके अग्रवाल की बेटी हैं। प्री-नर्सरी से लेकर 12वीं तक उन्होंने सेंट फ्रांसिस स्कूल में शिक्षा प्राप्त की। 12वीं के बाद श्रीराम मूर्ति स्मारक इंजीनियरिंग इस्टीट्यूट (एसआरएमएस) से उन्होंने इलेक्ट्रानिक एंड कम्युनिकेशन में बीटेक किया। फर्स्ट डिवीजन पास करने के बाद अभिलाषा ने गेट क्वालिफाई करके एनआइटी जालंधर में एमटेक में इलेक्ट्रानिक एंड कम्युनिकेशन में प्रवेश लिया और 2017 में एमटेक भी फर्स्ट डिवीजन के साथ पास करके भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की परीक्षा में बैठीं। पहली बार में ही अभिलाषा को कामयाबी मिली और साक्षात्कार में सबसे टाप रहने पर उन्हें इसरो का मुख्य बेंगलुरू सेंटर मिला। अभिलाषा का कहना है कि मैंने जो सपना देखा वह इसरो में ज्वाइनिंग के साथ ही पूरा होते दिखा। पहले मिशन चंद्रयान तीन के साथ काम किया। मिशन आदित्य वन के लिए भी स्पेस क्राफ्ट के लिए रेडियो माइक्रोवेव डिजाइन करने का मौका मिला।

अभिलाषा अग्रवाल ● सौ. स्वयं

सेंट फ्रांसिस से शुरू किया सफर सेटेलाइट डिजाइन तक पहुंचा

वैज्ञानिक बनकर देश सेवा की ठानी थी

अभिलाषा कहती है कि बचपन से पापा को देखा था। भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान में वैज्ञानिक होने के साथ हमेशा देश के लिए सोचते हैं। मैंने भी सिर्फ यह नहीं सोचा कि नौकरी जिंदगी जीने के लिए करनी है। अभिलाषा कहती हैं कि जिस सब्जेक्ट से मैंने एमटेक किया उसमें निजी कंपनियों में बहुत अच्छे पैकेज पर जाब मिल सकती थी, लेकिन मैंने इसरो के साथ जुड़कर देश सेवा को चुना है। इससे बढ़कर कुछ नहीं हो सकता। अभिलाषा सेटेलाइट डिजाइन में एक्सपर्ट हैं। वह कहती हैं कि इसरो के अगले मिशन के लिए भी बड़ी तैयारी के साथ दिनरात काम कर रहे हैं।